केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

जयपुर परिसर, जयपुर

संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन

प्रवेश परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

•प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष की प्रवेश परीक्षा के लिए सामान्य छात्रों के लिए पाठ्यक्रम

•मात्रा/वर्णाक्षर/अनुनासिक/अनुस्वार/विसर्ग/रेफ/संयुक्ताक्षर/शब्द/वर्तमान/भूतभविष्य/ कर्तृवाच्य/ कर्मवाच्य/संख्या/सर्वनाम/श्लोकांशपूर्ति/संस्कृतग्रन्थकार/ग्रन्थों के नाम/ संस्कृतसंस्था/ शुद्ध वाक्य विचार/ अव्यय/उपसर्ग

•परम्परागत छात्रों के लिए पाठयक्रम

•सन्धि/समास/लिंग/कारक/विभक्ति/आत्मनेपद/परस्मैपद/प्रत्यय/तद्धित/कृदन्त

• प्रसिद्ध श्लोकांशपूर्ति

• विभिन्न संस्थाओं का ध्येयवाक्य

• कवि- श्रेष्ठ ग्रन्थकार

• ग्रन्थ संबंधी

• धातु/लट्,लोट,लुट्,लिट्

•उच्चारण स्थान- दीर्घ, ह्रस्व

• माहेश्वर सूत्र

•शुद्ध वाक्य विचार

•वाच्य परिवर्तन

•सामान्य ज्ञान आधुनिक/परम्परागत छात्रों के लिए

• समसामयिक घटना

• क्रीडा

• संस्कृत वाङ्मय

• संस्कृत पुरस्कार

• राजधानी संबंधी प्रश्न-राष्ट्रिय

- राजधानी संबंधी प्रश्न-अन्तर्राष्ट्रिय
- संस्था अध्यक्षों का नाम
- नागरिक अधिकार संबंधी प्रश्न
- संयुक्त राष्ट्र संघ संबंधी प्रश्न
- महापुरुष संबंधी प्रश्न
- इतिहास संबंधी प्रश्न
- नदी, पर्वत संबंधी प्रश्न

•अभिरुचि आधुनिक/परम्परागत छात्रों के लिए

- भाषा अभिरुचि परीक्षण
- संस्कृत संबंधी अभिरुचि परीक्षण
- संस्कृत की उपयोगिता
- संस्कृत की विशेषता
- शास्त्र संरक्षण के उपाय
- शास्त्र अभिरुचि का मूल्यांकन
- भारत में संस्कृत की योजनायें
- संस्कृत आयोग संबंधी प्रश्न
- सूचना प्रोद्योगिकी और संस्कृत
- संस्कृत अध्ययन अभिरुचि
- संस्कृत पत्र-पत्रिका संबंधी
- संस्कृत मनीषी संबंधी प्रश्न
- संस्कृत अध्ययन-अध्यापन के उद्देश

टिप्पणी - शास्त्री (प्रथम) हेतु भी पाठ्यक्रम उपर्युक्त ही होगा, प्रश्नपत्र का स्तर उच्च रहेगा)